

इलाही नाम का सौदा कमा ले जिस का जी चाहे लिरिक्स



इलाही नाम का सौदा,
कमा ले जिस का जी चाहे।

[देखे – लगाले प्रेम ईश्वर से।](#)

छोड़ सब दुनिया का धंधा,
तेरा दिल हो रहा गंधा,
लगा हरि नाम का साबुन,
धुला ले जिसका जी चाहे,
इलाही नाम का सौदा,
कमा ले जिस का जी चाहे।

होय जब पाक दिल तेरा,
मिले सतगुरु तुझे रेजवा,
रंगे फिर आप रंग तुझको,
रंगा ले जिस का जी चाहे,
इलाही नाम का सौदा,
कमा ले जिस का जी चाहे।

लगे जब ज्ञान रंग पक्का,
न जा फिर द्वारिका मक्का,
दिलों में दिलवर का दर्शन,
करा ले जिस का जी चाहे,
इलाही नाम का सौदा,
कमा ले जिस का जी चाहे।

लखो सब घट घट में वोई,
तेरा निज रूप है सोई,
'अचलराम' दुई का पड़दा,
हटा ले जिसका जी चाहे,
इलाही नाम का सौदा,
कमा ले जिस का जी चाहे।



इलाही नाम का सौदा,
कमा ले जिस का जी चाहे।bd।

गायक – राधेश्याम शर्मा।
रचना – स्वामी अचलराम जी महाराज।
प्रेषक – सांवरिया निवाड़ी।
मो. – 7014827014
